

(2)

13. A. I. HODS

बिहारी

अभ्यासः

के बाद भी लया होता है पर सन्तुष्टि का लया
बाह्य के लयी से उभाड़ा होता है। बाह्य का लया
रूपाय के बाद होता है पर बाह्य का लया ही
बाह्य के बाद ही हो जाता है —

कलक कलक से उभाड़ी
बादकते उभाड़िकाय।
उद्दि बलाय बलाय नर
उद्दि बाय बलाय।

जीत परक दोहे के उभाड़ा पर बिहारी से लीजें
के बाही बाह्य पर लया का प्रभावा दिया है।
जीति से भावना जीतना की लया-प्रदर्शिका होती
है। इकायिक जीतिपरक दोहे लिये लया उपाय
के उभाड़िक में भावना के बाही बाह्य पर लया
का निर्देश दे बिहारी से लया उभाड़ी बाह्य हित
की बात की।

बिहारी के जीति लया उभाड़े लया उपाय -
उभाड़िक और बाह्य के प्रभावा है। उभाड़ी
का लया भावना जीतना के लिये लया पर
उपाय मोतिगत बाह्य के लया लया लया
की उभाड़िक में पर भी उभाड़ी जीतिगत बाह्य
कही है। देविक, लया लया की दया देने लया लया
दोहा जी के प्रति बिहारी का कितना गहरा लया लया -

बाह्य लया लया लया,
बाह्य देत बाह्य।
बाह्य लया लया लया
बाह्य लया लया लया।

बाह्य लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया

बाह्य के लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया

बाह्य लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया
लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया लया

अभ्यासः —